

कुँअर वि. (तद्.) 1. लड़का, पुत्र, बालक यो.
राजकुँअर 2. राजपुत्र, राजकुमार।

कुँअरि स्त्री. (तद्.) 1. कुमारी 2. राजकुमारी।

कुँअरि, कुँअरी स्त्री. (तद्.) 1. कुमारी कन्या 2.
राजकुमारी।

कुँआ पुं. (तद्.) पानी निकालने के लिए पृथ्वी में
खोदा हुआ गड्ढा, कूप पर्या. कूप, अंधु, उदपान,
अवट, कोट्टार मुहा. कुँआ खोदना- दूसरे की बुराई
के लिए कार्य करना, दूसरे को हानि पहुँचाने का
प्रयत्न करना, जीविका के लिए परिश्रम करना;
कुँआ चलाना या जोतना- कुँए से खींचने के लिए
पानी निकालना; कुआ या कुँए झांकना- यत्न में
इधर उधर दौड़ना, खोज में चारों ओर मारे
फिरना, कोशिश में हैरान घूमना; कुँए में गिरना-
आपत्ति में फँसना, विपत्ति में पड़ना जैसे- जो
जानबूझ कर कुँए में गिरे उसे कौन बचाए; कुँए
की मिट्टी कुँए में लगना- जहाँ की आमदनी
होगी वही खर्च होगा; कुँए में डाल देना- जन्म
नष्ट करना जैसे- उस घर में शादी करके तुमने
लड़की को कुँए में डाल दिया; कुँए में बाँस
डालना- बहुत तलाश करना, बहुत छानबीन करना
जैसे- उसके लिए कुँए में बाँस डालने पर वह न
मिला; कुँए में भांग पड़ना- सब की बुद्धि मारी
जाना जैसे- मेरा सुझाव कोई नहीं मानता, जब
कुँए में ही भांग पड़ी है तो कोई क्या करे; कुँए में
बोलना या कुँए में से बोलना- इतने धीरे बोलना
कि सुनाई न पड़े; कुँए पर से प्यासे आना- ऐसे
स्थान से निराशा लौटना जहाँ काम बनने की
पूरी उम्मीद हो; अंधा कुँआ-वह कुँआ जिसमें
पानी न हो और जो घासपात से ढका हुआ हो।

कुँआरा वि. (तद्.) अविवाहित, जिसका ब्याह न हो
पुं. अविवाहित व्यक्ति, कुमार।

कुँआरी वि. (तद्.) कुमारी, जो ब्याही न हो स्त्री.
अविवाहित कन्या, कुमारी।

कुँइआँ स्त्री. (देश.) छोटा कुआँ।

कुँई स्त्री. (तद्.) कुमुदनी, कुमुदों से भरा सरोवर।

कुँइयाँ स्त्री. (देश.) कुँआ यो. कठकुँइयाँ एक छोटा
कुँआ जो काठ का बना हो।

कुँजड़ा पुं. (तद्.) एक जाति जो सब्जियाँ बोती
और बेचती है मुहा. कुँजड़े कसाई- नीच जाति के
लोग, नीची श्रेणी के मुसलमान; कुँजड़े का गल्ला-
वह गल्ला राशि या वस्तु जिसके लेन-देन का
लेखा न लिखा जाता हो, गड़बड़ हिसाब, गोल
माल; कुँजड़े की दुकान- वह स्थान जहाँ छोटे बड़े
सब जा सकें, जहाँ भीड़-भाड़ और शोरगुल हो।

कुँड़ पुं. (तद्.) 1. खेत में वह गहरी रेखा जो हल
जोतने से पड़ जाती है।

कुँडरा पुं. (तद्.) 1. मंडलाकार खींची हुई रेखा (क)
जिसके भीतर खड़े होकर लोग शपथ करते हैं
(ख) जिसके भीतर किसी वस्तु को रखकर उसे
मंत्र आदि से रक्षित करते हैं (ग) जिसके भीतर
भोजन रखकर उसे छूत से बचाते हैं 2. कई फेरे
लेकर लपेटी हुई रस्सी का कपड़ा जिसे सिर पर
रखकर बोझ या घड़ा उठाते हैं, इंडुवा, गेंडुरी 3.
कुंडा, मटका।

कुँडी सोंटा पुं. (देश.) 1. भाँग घोटने का डंडा।

कुँदरू वि. (देश.) एक बेल जिसके फल चार-पाँच
अंगुल लंबे होते हैं और जिनकी सब्जी बनती है
पर्या. बिंबी, बिंबा, रक्तफला, तुंडी।

कुँदेरा पुं. (देश.) खरादनेवाला, खरादी।

कुअन्न पुं. (तत्.) रद्दी अन्न, मोटा अनाज।

कुआरा वि. (तद्.) जिसका ब्याह न हुआ हो बिना
ब्याहा बिलो. विवाहित।

कुइयाँ स्त्री. (देश.) कुआँ।

कुकड़ना अ.क्रि. (देश.) सिकुड़कर रह जाना,
संकुचित हो जाना।

कुकड़ी स्त्री. (तद्.) 1. कच्चे सूत का लपेटा हुआ
लच्छर, जो कात कर तकले पर से उतारा जाता
है, अंटी 2. मदार का डोडा या फल 3. मुरगी।

कुकनू पुं. (यूनानी.) एक कल्पित पक्षी, जिसके बारे
में प्रसिद्ध है कि जब वह गाता है तो उसके शरीर
से आग निकल पड़ती है और वह जल जाता है।

कुकर पुं. (अं.) खाना पकाने का एक आधुनिक
उपकरण जिसमें कई डब्बे होते हैं और जिसमें भाप